कवि-परिचय :

नाम : जयराम सिंह

जनम-तिथि : 8.9.1928

जनम-अस्थान : कारीसोवा, बजीरगंज

मधुर कंठ के धनी होवे के चलते इनका लोग मगही कोकिल के उपाधि देलन हल। इनका संगीत के भी अच्छा ग्यान हल। ई प्रगतिवादी आउ गीति काव्य के कवि हलन। परेम आउ सौंदर्य के कवि हलन। उनकर गीत में परकीरती के सब्भे सुकुमार भाव सहज आउ सजीव रूप में उतरल हे। उनकर गीत में हर सामयिक समस्या के चित्रन भेल हे। 'भुरुकवा उग-गेल', 'त्रिवेणी', 'पुरहर पल्लो', 'समकालीन मगही' में इनकर गीत छपल हे। मगही के पत्र-पतरिका में उनकर गीत भरल-पुरल हे।

हम्मर 'बगिया के रंग-बिरंग फूल' कविता देसभक्ति के भावना से ओत-प्रोत हे। इहाँ अनेकता में एकता हे। सब धरम मानेवाला के पूजा-पाठ के अजादी हे। तीन दन्ने से समुंदर से घिरल देस के उत्तर में विराट हिमालय रखवाली करऽ हे।

हम्मर बगिया के रंग-बिरंग फूल

हम्मर बगिया के रंग-बिरंग फूल जेकर
सोभा से सरग भी लजा हे।

[1]

राम, किसुन, गौतम, गाँधी के गंध सबमें हय।
सुरुज-चाँद आ तरेगन के इँजोर नभ में हय।।
धरती तो नंदने बुझा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे। हम्मर बगिया के····

[2]

हिन्दी, उरदू, मैथिली, भोजपुरी औ मगही,
संथाली, कन्नड़, तमिल, तेलगू, पंजाबी;
बगिया में सब्भे गजगजा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे।।

[3]

मंदिर-मसजिद, गिरजाघर औ फिनु गुरुद्वारा,
राम-रहीम-ईसा-गुरुगोविन्द भाइचारा;
गले-गले मिले में मजा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे।।

[4]

झरना के निरमल जल, गंगा के सुद्ध पानी,
पीके पौध फेंक रहल हे कानी पर कानी;
फहर रहल तिरंगा धजा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे।।

[5]

उत्तर में रखवाली, हिम-जग के पहरा हे,
बाकि तीन दन्ने गँहिर सागर के लहरा हे;
हमलावर के इहाँ कजा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे।।

अभ्यास-प्रस्न

मौखिक :

1. बगिया केकरा कहल गेल हे ?
2. सरग केकर सुंदरता से लजा रहल हे ?

3. पाँच गो भासा के नाम बतावऽ ।

4. चार गो पूजा स्थल के नाम गिनावऽ ।

लिखित :

1. कवि के परिचय दऽ ।

2. 'हम्मर बगिया के रंग-बिरंग फूल' कविता के भावार्थ लिखऽ ।

3. नीचे लिखल पद्यांस के सप्रसंग व्याख्या करऽ :

मंदिर-मसजिद गिरजाघर औ फिनु गुरुद्वारा,
राम-रहीम-ईसा-गुरुगोविन्द भाइचारा,
गले-गले मिले में मजा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे।

4. नीचे लिखल पद्यांस के भावार्थ लिखऽ :

हिन्दी, उर्दू, मैथिली, भोजपुरी औ मगही,
संथाली, कन्नड़, तमिल, तेलगू, पंजाबी,
बगिया में सब्भे गजगजा हे।
जेकर सोभा से सरग भी लजा हे।

5. हम्मर देस के एकता कइसे सुरच्छित रह सकऽ हे ?

भासा-अध्ययन :

1. (क) कविता से जातिवाचक आउ व्यक्तिवाचक संग्या चुन के लिखऽ ।

(ख) नीचे लिखल सबद के दू दू गो पयार्यवाची सबद बतावऽ :

फूल, चाँद, पानी, सूरज, गंगा

योग्यता-विस्तार :

1. (क) कविता में आयल महापुरुस के बारे में इनका से संबंधित कविता चुन के लिखऽ ।

(ख) भारतीय एकता से संबंधित कविता चुन के लिखऽ।

(ग) कविता में आयल प्रत्यय आउ उपसर्ग चुन के बतावऽ।

सब्दार्थ :

कन्नड़	:	कर्नाटक के एगो भासा
तमिल	:	तमिलनाडु के भासा
तेलगू	:	आँध्रप्रदेश के भासा
गँहिर	:	गहरा
कजा	:	मौत